कुलाऽकुल-कुलाकुलगण चक्र

गण	तिथि	वार	नक्षत्र	फल
कुलाकुलगण	द्वितीया षष्ठी दशमी	बुध	मूल, शतभिषा आर्द्रा, अभिजित्	सन्धि
कुलगण	चतुर्थी अष्टमी, द्वादशी चतुर्दशी	मंगल शुक्र	चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण पूर्वाभाद्र, अश्विनी, कृत्तिका, मृग., पुष्प, मघा, पूर्वाफाल्गुनी	स्थायिजय
अकुलगण	1 । 3 । 5 । 7 । 9 । 11 । 13 । 15 । 30	रवि चन्द्र गुरु शनि	भरणी, रोहिणी, पुन. श्ले. उ.फा., हस्त, स्वा.अनु. उ.षा., धनिष्ठा, उ.भा रेवती	यायिजय

Scanned with CamScanner